

ललकारकर जैसे- मैं खम ठोंककर यह बात कह सकता हूँ वि. (फा.) समर्थ, शक्तिमान, झुका हुआ, वक्र, टेढ़ा।

खमकाना अ.क्रि. (देश.) खम खम शब्द करना।

खमदम पुं. (फा.) हिम्मत, जोश।

खमदार वि. (फा.) धुँधराले (बाल), झुकरा हुआ, खम खाया हुआ।

खमशा/खम्सः पुं. (अर.) 1. वह पद्य जिसके हर बंद में पाँच-पाँच मिसरे हों 2. संगीत की एक ताल जिसमें पाँच आघात और तीन खाली होते हैं 3. पाँचों उँगलियाँ वि. (अर.) पाँच संबंधी, पंचक।

खमीदगी स्त्री. (फा.) टेढ़ापन, वक्रता।

खमीदा वि. (फा.) झुका हुआ, टेढ़ा, खमदार।

खमीर पुं. (अर.) गुथे हुए आटे में खटास और उभार मुहा. खमीर उठना-आटे आदि का खमीर पैदा हो जाने से फूल कर उठना, फैलना, बिगड़ना-स्वभाव या व्यवहार आदि में भेद पड़ना।

खमीरा वि. (फा.) खमीर वाला, खमीर मिलाया हुआ जैसे- खमीरी रोटी, खमीरा तंबाकू पुं. (फा.) 1. चीनी या शीरे में पका कर बनाई हुई औषधि 2. पीने का सुगंधित तंबाकू।

खम्माच/खमाज स्त्री. (देश.) औडव जाति की मालकोस राग की दूसरी रागिनी, जो रात को दूसरे पहर की पिछली घड़ी में गाई जाती है।

खम्माच कान्हड़ा पुं. (देश.) संपूर्ण जाति का एक संकर राग जो रात के दूसरे पहर में गाया जाता है।

खम्माचटोरी स्त्री. (देश.) संपूर्ण जाति की एक रागिनी जो संभावती और टोरी से मिलकर बनती है, 'संकर रागिनी'।

खयाल पुं. (अर.) 1. ध्यान, चिंता, सोच विचार 2. कल्पना 3. मत, विचार 4. लिहाज 5. याद मुहा. खयाल में न लाना- लिहाज, परवाह न करना; खयाल में समाना- ध्यान में चढ़ जाना, हर बात

याद रहना; खयाल से उतरना- याद न रहना, भूल जाना 6. गायन का एक प्रकार।

खयाली वि. (अर.) कल्पित, सोचा-माना हुआ।

खयाली पुलाव पुं. (फा.) मन से गढ़ी हुई बात, मनोराज्य मुहा. खयाली पुलाव पकाना- कल्पना के महल खड़े करना।

खय्याम पुं. (अर.) 1. फारसी के मधुवादी कवि उमर खय्याम 2. खटिया बनाने वाला, तंबू सीनेवाला।

खरंजा पुं. (देश.) वह ईंट जो बहुत पकाने के कारण जल गई हो, झाँवाँ, खड़जा।

खर पुं. (तत्.) 1. गधा, खच्चर 2. बगुला 3. कौवा 4. एक राक्षस जो रावण का भाई था और राम के हाथों मारा गया था 5. तृण, तिनका, घास, खरपतवार-फसल के साथ उगने वाले बेकार के पौधे 6. साठ संवत्सरों में से 26 वाँ संवत्, इसमें बहुत उपद्रव होते हैं 7. छप्पय छंद का एक भेद 8. एक चौकोर वेदी जिस पर यज्ञों में यज्ञपात्र रखे जाते हैं 9. क्रौंच पक्षी 10. कुत्ता, श्वान वि. (तत्.) 1. कड़ा, सख्त 2. तेज, तीक्ष्ण 3. घना, मोटा, हानिकर 4. अमांगलिक दे. खरमास 5. तेज धार का 6. आड़ा, तिरछा।

खर पुं. (फा.) गधा वि. (फा.) 1. मूर्ख 2. भद्दा 3. बदशक्ल 4. बहुत बड़ा मुहा. (घी) खरकाना - (घी) गरम करके तपाना।

खरक पुं. (तद्.) 1. बाँस, बल्लों से बनाया हुआ गाय रखने का बाड़ा, गोठ 2. चरागाह 3. ठट्टर स्त्री. (तत्.) खड़क, खटक।

खरकना अ.क्रि. (अर.) खर-खर शब्द होना, खरखराना, खड़काना।

खरकना अ.क्रि. (देश.) 1. फाँस चुभने का दर्द 2. खड़कना 3. सरकना।

खरकर पुं. (तत्.) सूर्य, दिनकर।

खरका पुं. (देश.) सूखा कड़ा तिनका, दाँत खोदने का तिनका मुहा. खरका करना- भोजन के बाद दाँत में फँसे तिनकों को खोदकर निकालना।